श्रेष्ठ समाज के लिए नैतिक, आध्यात्मिक एवं मानव मूल्य प्रेरित

शिक्षा दर्पण

EDUCATION WING, R.E.R.F.
WISDOM FOR A NEW WORLD

शिक्षा प्रभाग की त्रैमासिक समाचार पत्रिका | अगस्त - 2023 | ब्रह्माकुमारीज़, माउण्ट आबू (राज.)

1. **शांतिवन (आबू रोड)।** राजयोगी किड्स समर कॉर्निवल का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुमन, ब्र.कु. ई.वी. गिरीश, ब्र.कु. शिविका, ब्र.कु. नेहा, ब्र.कु. योगिनी, ब्र.कु. शेफाली तथा अन्य।
2. **मनमोहिनीवन (आबू रोड)।** राजयोगा ट्रेनिंग एवं भट्टी का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. ई.वी. गिरीश, ब्र.कु. ममता, ब्र.कु. सुप्रिया, ब्र.कु. चित्रा, ब्र.कु. हेमा तथा अन्य।

संरक्षक
राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर
महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़ एवं संरक्षक, शिक्षा प्रभाग

परामर्श दाता
राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय
कार्यकारी सचिव, ब्रह्माकुमारीज़ एवं अध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग
राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू बहन
उपाध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग

कार्यकारिणी
राजयोगिनी ब्र.कु. सुमन
राष्ट्रीय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग
डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि
निदेशक, मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा कोर्स
ब्र.कु. शिविका
मुख्यालय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग
डॉ. आर.पी. गुप्ता
मुख्यालय संयोजक, मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम

प्रधान सम्पादक
डॉ. ब्र.कु. ममता
संयोजिका, शिक्षा प्रभाग, अहमदाबाद, गुजरात

सह सम्पादक
ब्र.कु. चुनेश, शान्तिवन, आबू रोड

प्रकाशक
एज्यूकेशन विंग (RERF) एवं ब्रह्माकुमारीज़

प्रकाशन
ओमशान्ति प्रिंटिंग प्रेस, शान्तिवन, आबू रोड

डिजाइनिंग सेटिंग
ब्र.कु. चुनेश, शान्तिवन, आबू रोड

अमृत सूची

- **सम्पादकीय** - नई शिक्षा नीति में मूल्य शिक्षा का प्रावधान
- ब्रह्माकुमारीज़ में आने से मुझे एक नई आध्यात्मिक अनुभूति होती है : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी
- मूल्य एवं आध्यात्म में पीएचडी शुरू
- राजयोगी किड्स समर कॉर्निवल-2023
- राजयोगी किड्स समर कॉर्निवल की झलकियां
- आओ सकारात्मक बनें
- डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय 'समाज गौरव पुरस्कार' से सम्मानित
- शिक्षा प्रभाग की राजयोगा ट्रेनिंग एवं भट्टी सम्पन्न
- विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

निवेदन

शिक्षा प्रभाग के सेवा समाचार फोटो सहित तथा स्व-रचित कविता, गीत, लेख इत्यादि एज्यूकेशन ऑफिस, आनंद भवन, शान्तिवन, आबू रोड के पते पर भेजकर अपना सहयोग प्रदान करें।

E-mail: educationwing@bkivv.org
Mobile Nos.: +91 94140-03961 / +91 94263-44040

डॉ. ब्र.कु. ममता
संयोजिका, शिक्षा प्रभाग, सुख शान्ति भवन (अहमदाबाद)

सम्पादकीय

डॉ. ब्र.कु. ममता शर्मा

नई शिक्षा नीति में मूल्य शिक्षा का प्रावधान

मानव अस्तित्व के साथ ही 'शिक्षा' शब्द का अस्तित्व है। सदियों से चली आ रही ज्ञान की परंपरा, नए-नए मूल्य एवं बदलाव के साथ समाज में पनपती रही है। ज्ञान का उदय मानव जीवन का उदय है। ज्ञान में मूल्यों का प्रावधान मनुष्य को देवता की ओर अग्रसर करता है। देवत्व का पनपना मूल्यों के पनपने जैसा है।

वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए चारों तरफ बदलाव की स्थिति में तीव्रता से मानव समाज में उथल-पुथल मचा रखी है। हम सभी इस उथल-पुथल को अनुभव करते हैं। सन 1936 में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की स्थापना हुई थी। उस समय पूरा विश्व युद्ध की भयावह परिस्थितियों से गुजर रहा था। धर्म युद्ध, राज युद्ध की स्थिति में कई प्रकार से मानव जाति जूझ रही थी। समाज से मूल्यों का ह्रास हो रहा था। विश्व के चिंतक, दार्शनिक, विचारकों ने महसूस किया कि हमारी सामाजिक स्थिति उथल-पुथल हो रही है। परंतु मानव को कैसा ज्ञान दें और किस प्रकार दें?

ऐसे में ब्रह्माकुमारी संस्था के संस्थापक दादा लेखराज ने एक ज्ञान की मुहिम चलाई। उनके द्वारा मानव जीवन को एक नई दिशा मिली। परमात्म प्रदत्त शक्तियों के माध्यम से ज्ञान का प्रचार-प्रसार किया। जीवन में आमूल परिवर्तन के लिए आध्यात्मिकता और मूल्य की शिक्षा का प्रारंभ किया। इस ज्ञान में किसी भी प्रकार से जाति, धर्म, वर्ण, वर्ग का भेदभाव नहीं है। यह शिक्षा सिर्फ मानव जीवन की उत्कृष्टता के लिए किया जाता था।

आज संस्थान ने अपने 88 वर्ष पूर्ण किए हैं। मूल्य एवं आध्यात्मिकता की शिक्षा देते हुए अनेक शिक्षा सम्मेलनों में ब्रह्माकुमारीज़ ने चिंतकों, विचारकों, समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए मूल्यों की शिक्षा का प्रावधान शिक्षा नीति में दाखिल करने के लिए निरंतर प्रयास किया है। लोग जुड़ते गए और इसके फलस्वरूप आज नई शिक्षा नीति में मूल्य शिक्षा का प्रावधान हो पाया है।

समय-समय पर किए गए निरंतर प्रयासों से वर्तमान परिस्थितियों में मानव भौतिकता की ओर कदम बढ़ाते-बढ़ाते मूल्य और आध्यात्मिकता से भटक गया, दिशाहीन हो गया। परिणाम स्वरूप चिंता-तनाव बढ़ गए, शक्तियां क्षीण हो गई। ध्यानाभ्यास के अभाव में मन की स्थिरता डगमगा गई। समाज में रिश्तों में विघटन की स्थिति पैदा हो गई। वर्तमान समय टेक्नोलॉजी अद्यतन होने के बावजूद मानव मन स्थिरता एवं भटकाव की स्थिति में भी आ गया है। ऐसे समय में भारतवर्ष में हम देख रहे हैं कि हिंसा, आत्महत्या, अलगाव आदि की समस्याएं पैदा हो गई हैं।

ऐसे समय में एकमात्र मूल्य और आध्यात्मिकता की शिक्षा ही मानव को दिशा दे सकती है। ध्यानाभ्यास द्वारा मन को एकाग्रचित्त बनाकर जीवन मूल्यों को आत्मसात करने से व्यक्ति आध्यात्मिक बन सकता है। शिक्षा में मूल्यों का प्रावधान समय की मांग है और यही मांग की स्वीकृति आज नई शिक्षा प्रवृत्ति के माध्यम से देने के लिए सरकार एवं शिक्षाविद कटिबद्ध हुए हैं। यही कटिबद्धता समाज में फिर से एक राज्य, एक भाषा, एकता और अखंडता के लिए कार्यरत हो रही है। यहां से प्रारंभ हुई मूल्य शिक्षा फिर से समाज में आशावाद को जगाएगी।

ब्रह्माकुमारीज़ में आने से मुझे एक नई आध्यात्मिक अनुभूति होती है : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

आबू रोड (राजस्थान)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय शांतिवन, आबू रोड में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मैं जब भी ब्रह्माकुमारीज़ में आता हूं तो आपके बीच एक नई आध्यात्मिक अनुभूति होती है। परमपिता परमात्मा के आशीर्वाद और दादियों के स्नेह में लगातार वृद्धि होती है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने कहा कि मैंने देश के लिए आपसे जो अपेक्षा की है, उसमें आपने अपने प्रयासों से ज्यादा कर दिखाया है। मेरे विश्वास को कई गुना कर दिया है। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सामाजिक कल्याण के लिए कई अभियान चलाए जा रहे हैं। स्वच्छता अभियान में दादी जानकी जी ने स्वच्छता ब्रांड एंबेसेडर के रूप में और बहनों ने कमान संभालकर लोगों को प्रेरित किया है।

ब्रह्माकुमारी बहनें स्वास्थ्य जागरूकता से लेकर जल जन अभियान, आज़ादी के अमृत महोत्सव, नशा मुक्त भारत अभियान में प्रेरणास्त्रोत बनकर सामाजिक कल्याण में जुटी है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने ब्रह्माकुमारीज़ के तीन प्रोजेक्ट- ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंस हॉस्पिटल, ओल्ड एज होम के सेकेंड फेज और नर्सिंग कॉलेज के एक्सटेंशन का शिलान्यास रिमोट का बटन दबाकर किया। सम्मेलन में देशभर से आए 15 हजार से अधिक लोग मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने कहा कि भारत में हज़ारों वर्षों से गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की सेवा की कमान आध्यात्मिक संस्थाओं ने संभाली है। मैं गुजरात भूकंप के समय से ब्रह्माकुमारीज़ बहनों की निष्ठा व सेवा का साक्षी रहा हूं। गुजरात में आए भूकंप के समय बहनों ने जो सेवाभाव से काम किया, वह प्रेरणा देने वाला है। एक संस्था कैसे हर क्षेत्र में एक आंदोलन खड़ा कर सकती है! ब्रह्माकुमारीज़ ने वह कर दिखाया। मैंने देश के लिए आपसे जो अपेक्षा की, उसे पूरा करने में ब्रह्माकुमारीज़ ने कोई कमी नहीं की है।

नैतिक मूल्यों को मजबूत कर रही संस्था

प्रधानमंत्री मोदी जी ने कहा कि आज़ादी के अमृत काल में सभी सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्मिक संस्थाओं की बड़ी भूमिका रही है। इस कर्तव्य काल में हम जिस भूमिका में हैं, उसका शत प्रतिशत निर्वहन करें। पूरी निष्ठा के साथ हमें ये भी सोचना है कि हम अपने देश के लिए क्या कर सकते हैं। सभी ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारी प्रेरणापुंज हैं। ब्रह्माकुमारीज़ एक आध्यात्मिक संस्था के तौर पर समाज में नैतिक मूल्यों को मजबूत करने और समाज सेवा के कार्य करती रही है। साइंस, हेल्थ व सोशल वर्क के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। माउंट आबू स्थित ग्लोबल चैरिटेबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के माध्यम से

गांव-गांव में हेल्थ कैंप और रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है जो समाजहित में कार्य है। ऐसे कार्यों में मानवीय प्रयास जरूरी है। जिस ग्लोबल हॉस्पिटल के निर्माण का संकल्प लिया है, वह स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार का काम करेगा। ब्रह्माकुमारीज़ गांव-गांव में जानकारी दें कि सरकार की ओर से ऐसी योजनाएं चलती हैं, जन औषधि केंद्र बने हुए हैं, यदि इसकी जानकारी आप लोगों को दें तो उसका भला हो जाएगा।

पीएम ने श्रीअन्न को बढ़ाने का किया आह्वान

प्रधानमंत्री ने श्रीअन्न यानी मिलेट्स को आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि हमें नदियों को स्वच्छ करना है। प्राकृतिक खेती, भूजल संरक्षण हजारों साल पुरानी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी है। मुझे आशा है कि भविष्य में भी ब्रह्माकुमारी बहनें राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों को आगे बढ़ाएंगे। विश्व को सर्वे भवंतु सुखिन: के मार्ग पर आगे ले जाएंगे। राष्ट्र निर्माण में ऐसी योजनाओं को क्रिएटिव रूप से आगे बढ़ाएंगी। दुनिया जब महिला सशक्तिकरण की बात कर रही है, हम जी-20 में महिला नेतृत्व को बढ़ाने की बात कर रहे हैं।

स्वास्थ्य सुविधाओं के ट्रांसफॉर्मेशन से गुजर रहा है देश

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने कहा कि आज पूरा देश स्वास्थ्य सुविधाओं के ट्रांसफार्मेशन से गुजर रहा है। देश के अस्पताल सुविधाओं के साथ उपलब्ध है। आयुष्मान योजना ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई है। आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख तक इलाज का खर्च सरकार उठाती है। योजना में अब तक 4 करोड़ गरीब लाभ उठा चुके हैं। यदि वे खुद इलाज करवाते तो उन्हें 80 हज़ार करोड़ खर्च करने पड़ते। हेल्थ सेक्टर की एक चुनौती डॉक्टर्स, नर्सेस व मेडिकल स्टाफ की कमी रही है। 2014 के बाद से पिछले 9 वर्षों में हर महीने एक नया मेडिकल कॉलेज खोला गया है। 9 वर्षों में 150 से अधिक मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं। 9 साल पहले जहां देश में 50 हज़ार एमबीबीएस की सीटें थीं जिन्हें बढ़ाकर एक लाख किया गया है। वहीं पीजी में मात्र 30 हज़ार सीटें थीं जिन्हें बढ़ाकर 65 हज़ार किया गया है। जब इरादा नेक हो तो ऐसे ही संकल्प लिए जाते व सिद्ध भी किए जाते हैं। आज भारत सरकार हेल्थ सेक्टर में जो काम कर रही है, उसका प्रभाव आने वाले समय में दिखेगा। जितने डॉक्टर आज़ादी के बाद सात दशक में बने हैं उतने डॉक्टर अगले एक ही दशक में ही मिलेंगे। राजस्थान के अंदर जल्द ही 20 से ज्यादा नए नर्सिंग कॉलेज बनेंगे जिनका लाभ आप सभी को मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने किया ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंस हॉस्पिटल का शिलान्यास

प्रधानमंत्री ने आबू रोड में 50 एकड़ में बनने वाले ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंस हॉस्पिटल का शिलान्यास किया। 250 बेड का यह हॉस्पिटल दो साल में बनाने का लक्ष्य रखा गया है। माउंट आबू स्थित ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. प्रताप मिड्ढा ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से 50 एकड़ में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का निर्माण किया जाएगा। इससे स्थानीय जरूरतमंद लोगों को सहज ही इलाज की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। अभी तक यह व्यवस्था केवल बड़े शहरों में ही है। हॉस्पिटल में तन और मन का इलाज किया जाएगा। इसमें विशेष रूप से मेडिटेशन रूम बनाए जाएंगे ताकि

कार्यक्रम की झलकियां

दवा और दुआ दोनों के समन्वय से लोग जल्दी स्वस्थ हो सकें। हॉस्पिटल में आधुनिक उपकरणों के साथ विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। डॉ. मिड्ढा ने बताया कि हॉस्पिटल निर्माण के साथ नर्सिंग कॉलेज का भी विस्तार किया जा रहा है। इससे पहले से ज्यादा सुविधाएं मरीजों को मिल सकेंगी। इसके साथ ही सीनियर सिटीजन होम के सेकंड फेज और नर्सिंग कॉलेज के एक्सटेंशन की भी नींव रखी।

ये सुविधाएं मिलेंगी

हॉस्पिटल में मुख्य रूप से न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी की विशेष यूनिट शुरू की जाएगी। इसमें जाने-माने विषय विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। इसके अलावा प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी, पैलिएटिव केयर और जेरिएट्रिक केयर (वरिष्ठ नागरिक गृह) की भी सुविधा रहेगी। साथ ही तीसरे साल में हॉस्पिटल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एंडोक्रिनोलॉजिस्ट के इलाज की सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है।

सुरक्षा के रहे कड़े इंतजामात

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर चार-पांच दिन पूर्व से ही एसपीजी की टीम ने सुरक्षा व्यवस्था को अपने कंट्रोल में ले लिया। शांतिवन की हर गतिविधि पर नज़र रखने के साथ एक-एक चीज को सुरक्षा की दृष्टि से बारीकी से परखा गया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति का रिकार्ड मेटेंन करने के साथ सभी के लिए पास जारी किए गए। कार्यक्रम के पूर्व पूरे समय एसपीजी और स्थानीय पुलिस-प्रशासन की टीम लोगों को दिशा-निर्देश संबंधी एनाउंसमेंट करती रही।

बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से आए 9 हज़ार लोग

राजयोग ध्यान शिविर में भाग लेने के लिए इस बार बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के अलग-अलग जिलों से 9 हज़ार से अधिक लोग शांतिवन पहुंचे हैं। इनमें से ज्यादातर लोग पहली बार आबू रोड आएं हैं। सभी लोगों में प्रधानमंत्री की एक झलक देखने के लिए उत्साह नजर आया।

राजयोग की कराई अनुभूति

ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव बी.के. मृत्युंजय ने कहा कि परमपिता परमात्मा के घर में प्रधानमंत्री जी का पूरे विश्व विद्यालय के सभी बीके भाई-बहनों की ओर से हार्दिक स्वागत है। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका बीके जयंती दीदी ने राजयोग की अनुभूति कराते हुए कहा कि मैं आत्मा भृकुटि के बीच चमकता हुआ सितारा हूं। परमात्मा सत चित आनंद स्वरूप हैं। परमात्मा की सत्यता, पवित्रता की किरणें विश्व में फैलती जा रही हैं। मंच संचालन राजयोग शिक्षिका बीके शिविका ने किया।

मूल्य एवं आध्यात्म में पीएचडी शुरू

आबू रोड (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शिक्षा प्रभाग द्वारा पीएचडी डिग्री प्रोग्राम में युवा से लेकर बुजुर्गों ने बड़े उमंग-उत्साह के साथ भाग लिया। यौगिक साइंस में पीएचडी के लिए सभी स्टूडेंट्स को विस्तृत रूप से बारीकियां सिखाई जा रही हैं।

दूरस्थ शिक्षा प्रभाग द्वारा आठ दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम (ट्रेनिंग कोर्स प्रोग्राम फॉर पीएचडी) मनमोहिनीवन कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से विभिन्न आयु वर्गों के युवा से लेकर ब्रह्माकुमार भाई-बहनें, प्रोफेशनल्स, गृहिणी और बुजुर्ग स्टूडेंट बनकर पीएचडी के दौरान किन बातों का ध्यान रखें आदि बारीकियां सीखीं। ट्रेनिंग में मणिपुर इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट तथा ब्रह्मकुमारीज़ के फेकल्टीज़ द्वारा ट्रेनिंग दी गई।

शुभारंभ सत्र में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीश राजेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि यौगिक साइंस में पीएचडी करने से निश्चित रूप से योग और आध्यात्म की गहराइयों में जाने का अवसर स्टूडेंट को प्राप्त होगा। योग हमारी सभ्यता और संस्कृति है। पाठ्यक्रम में योग शामिल होने से युवाओं का भी इस ओर रुझान बढ़ रहा है।

मणिपुर इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. डॉ. हरिकुमार ने कहा कि मूल्य एवं आध्यात्म में पीएचडी डिग्री प्रोग्राम शुरू करने के पीछे यही मकसद है कि समाज में जो तेजी से मूल्यों का क्षरण हो रहा है उसे रोका जा सके। नई पीढ़ी को मूल्य शिक्षा, योग और आध्यात्म की शिक्षा को रिसर्च के माध्यम से दिया जा सके। ट्रेनिंग के दौरान एजुकेशन, सोशलॉजी और मैनेजमेंट आदि के स्टूडेंट भी भाग लिए।

योग हमारी संस्कृति है

अन्नामलाई यूनिवर्सिटी मदुरई के योगा स्टडीज़ डिपार्टमेंट के निदेशक डॉ. सुरेश कुमार मुरदेशन ने कहा कि योग हमारी भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। हमारा जीवन योग के ही इर्द-गिर्द घूमता है। योग हमारी संस्कृति के साथ सभ्यता और परंपरा रहा है। आशा है कि स्टूडेंट यौगिक साइंस में पीएचडी डिग्री पूरी करने के बाद इसका लाभ समाज तक पहुंचाएंगे।

अपनी रिसर्च मेहनत के साथ पूरी करें

शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि आप सभी नए-नए टॉपिक पर रिसर्च के माध्यम से योग और आध्यात्म की नई गुत्थियों को सुलझाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। अपनी रिसर्च को पूरी लगन, मेहनत और समर्पण भाव के साथ पूरा करें। दूरस्थ शिक्षा निदेशक डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि ने कहा कि पीएचडी कोर्स के दौरान आने वाली समस्याओं, परेशानियों आदि पर गहराई से प्रकाश डाला जाएगा।

अपनी रिसर्च में इनोवेशन करें

डॉ. स्वामीनाथन ने कहा कि रिसर्च से हमें जीवन में सीख मिलती है कि हम जो पढ़ रहे हैं उसका जीवन में प्रैक्टिकल और एक्सपीरिमेंट करके देखना। पीएचडी रिसर्च स्टूडेंट को मंथली कॉन्टेक्ट नोट बनाना बहुत जरूरी है। इससे हम सभी दिशा में आगे बढ़ पाते हैं। साथ ही रिसर्च का टॉपिक फाइनल करने के बाद आपका जो रिसर्च एरिया है उसे आईडेंटिटी करना बहुत जरूरी है।

जब तक हमारा रिसर्च का एरिया निर्धारित नहीं होगा तो हम उस दिशा में पूरे प्रयास नहीं कर पाएंगे। हमारे माइंड में कॉन्सेप्ट क्लीयर होना चाहिए कि हमें किस दिशा में अपनी रिसर्च के साथ आगे बढ़ना है। इसके साथ ही लगातार रिसर्च से संबंधित साहित्य, पुस्तकें पढ़ते रहें। आप जिस टॉपिक पर रिसर्च करने जा रहे हैं उस पर अब तक कितने लोगों ने रिसर्च की है, उन्होंने किन बातों को अपनी रिसर्च में मिस किया है आदि की भी समीक्षा करें।

राजयोगी किड्स समर कॉर्निवल-2023

शांतिवन (आबू रोड)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन परिसर में राजयोगी किड्स समर कॉर्निवल-2023 का आयोजन हुआ जिसमें पूरे देशभर से बच्चे पहुंचे थे। इस कार्निवल में बच्चों के लिए मेडिटेशन, चित्रकला, नृत्य, गायन, नींबू रेस, चम्मच रेस, म्यूजिक चेयर रेस, लम्बी कूद, बोरा रेस, खो-खो, भाषण और निबंध लेखन आदि स्पर्धाएं आयोजित की गईं। साथ ही साथ खेल-खेल में मूल्य शिक्षा दी गई। समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया।

शांतिवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में शुभारंभ पर शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि देशभर से आए आप सभी बच्चे बहुत भाग्यशाली हैं कि आपके आने के पहले ही मौसम साफ हो गया। आप परमात्मा के घर में आए हैं। यहां जो शिक्षा मिलती है उससे आपका जीवन महान बन जाएगा। संस्थान की शुरुआत में भी सबसे पहले बच्चों से ही मूल्य और नैतिक शिक्षा की शुरुआत की गई थी।

उन्होंने आगे कहा कि संस्थान की सभी वरिष्ठ दादियों ने भी बच्चों के रूप में मूल्य शिक्षा ली और अपने साथ लाखों लोगों का जीवन श्रेष्ठ बना दिया। बच्चे मन के सच्चे होते हैं। परमात्मा की भी बच्चों पर विशेष नजर होती है, आशीर्वाद होता है। आप सभी पॉवरफुल, पीसफुल आत्माएं हैं। सदा शांति, खुशी और उमंग-उत्साह में रहें। ऐसा बनें कि आपको देखकर लोगों में खुशी पैदा हो जाए। ऐसे बच्चों को भगवान भी याद करता है कि आओ मेरे मीठे, लाड़ले बच्चे, आओ मेरे होनहार बच्चे। आप सभी यहां से ऐसे बच्चों बनकर जाएं कि जब घर जाएं तो सभी कहें कि वाह! इन्होंने कहां से शिक्षा ली है। इनका शिक्षक कौन है। आपके ऊपर सभी की निगाहें हैं इसलिए ऐसा बनें कि सब आप पर नाज़ करें। शिक्षा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सुमन ने कहा कि आप सभी बच्चे परमात्मा के चैतन्य सितारे हैं। परमपिता परमात्मा को जब हम आत्मा समझकर याद करेंगे तो शिव बाबा से हमारी आत्मा में शक्तियां आने लगेंगी। हमें शिव बाबा का आशीर्वाद मिलता है। उनकी शिक्षाएं हमारा मार्गदर्शन करती हैं। सदा दूसरों की मदद करें। जीवन का लक्ष्य हो कि हमें महान कर्म करना है।

शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. शिविका ने कहा कि आप सभी बच्चे तीन दिन तक यहां होने वाली हर एक्टीविटीज़ में शामिल हों और जो यहां आपको अमूल्य शिक्षाएं दी जाएंगी उन्हें अपने जीवन में धारण करें। इससे आपका जीवन संवर जाएगा। संचालन करते हुए अजमेर से आईं ब्र.कु. योगिनी ने कहा कि जिस-जिस बच्चे को रोना आता है वह एक बाल बनाएं और बिफरजॉय तूफान में मन से फेंक दें। संकल्प करें कि किसी भी प्रतियोगिता में आप प्रथम आएं या फेल भी हो जाएं लेकिन मन से निराश नहीं होंगे।

समापन कार्यक्रम में बॉलीवुड के वॉइस एक्टर और मिमिक्री आर्टिस्ट संजय केनी ने कहा कि यहां आकर बहुत प्रसन्नता हुई। आज ऐसे कार्निवल की बहुत जरूरत है, जहां बच्चों को नैतिक और मूल्यनिष्ठ शिक्षा दी जाती है। साथ ही आध्यात्मिक और मेडिटेशन की शिक्षा से बच्चों की सफलता की राह प्रशस्त होगी। बचपन में ही बच्चों को संस्कार दिए जाएं तो वह बड़े होकर अच्छे कर्म करते हैं।

बच्चों को एक्टीविटीज़ कराने के लिए अलग-अलग ग्रुप बनाए गए। इन ग्रुप के नाम वरिष्ठ दादियों के नाम पर दादी मनोहर हाउस, दादी निर्मल शांता हाउस, दादी जानकी हाउस, दादी गुलज़ार हाउस, दादी चंद्रमणि हाउस, दादी प्रकाशमणि हाउस, दादी बृजेन्द्रा हाउस, दादी रतनमोहिनी हाउस के नाम पर रखे गए थे। मधुरवाणी ग्रुप के ब्र.कु. सतीश और ब्र.कु. भानू ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। रात्रि में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया तथा सभी बच्चों को सर्टिफिकेट दिया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित हजारों नौनिहाल

राजयोगी किड्स समर कॉर्निवाल-2023 की झलकियां

आओ सकारात्मक बनें

• बी.के. सुवर्णा सोनवणे

सकारात्मक चिंतन एक शक्तिशाली यन्त्र है जिसे जीवन शैली का हिस्सा बनाने से व्यक्ति का जीवन सदा के लिए खुशनुमः बन जाता है। ❞

इस विशाल धरा पर भिन्न-भिन्न तरह की विचारधारा रखने वाले लोग रहते हैं। हर एक व्यक्ति चाहे स्त्री हो या पुरुष, चाहे काला हो या गोरा, सभी की सोच अलग होती है। कोई भी घटना घटित होती है तो उसे देखने और उसके बारे में सोचने नज़रिया अलग होता है। घटना तो वह एक ही होती है परन्तु हर एक व्यक्ति का नज़रिया अलग-अलग होने के कारण उस घटना का अर्थ अपने-अपने हिसाब से लगाया जाता है।

अगर कोई व्यक्ति आपसे मिलें, जिसका रंग-रूप बड़ा लुभावना हो परन्तु उसके चेहरे पर उदासी छाई हुई हो, उसकी सोच नकारात्मक होतो उसका प्रभाव आपके ऊपर ज्यादा समय तक नहीं रहेगा। उसके विपरीत कोई व्यक्ति सांवले रंग-रूप का ही क्यों न हो लेकिन उसकी सोच में अगर सकारात्मकता है तो उसके चेहरे पर खुशी होगी। उस खुशनुमा चेहरे के कारण उस व्यक्ति का प्रभाव आपके ऊपर ज्यादा समय तक रहेगा। इसका अर्थ यह हुआ कि अच्छे व्यक्तित्व के लिए सिर्फ रंग-रूप अच्छा होना जरूरी नहीं है बल्कि उसके मन के अंदर सकारात्मकता भी होनी चाहिए, वो उसके व्यक्तित्व को निखारने में मददगार बनती है।

कोई व्यक्ति अपने जीवन में हमेशा सकारात्मक सोच रखता हो तो वो व्यक्ति 70 वर्ष की उम्र में भी जवान एवं खुशनुमा दिखाई देगा। उसके चेहरे पर हमेशा खुशी और नयी उम्मीदें नज़र आयेंगी। इसके विपरीत अगर आप किसी नकारात्मक सोच रखने वाले 25-30 की उम्र वाले व्यक्ति से मिलते हैं, तो आप देखेंगे कि उसका चेहरा हमेशा उदासी से भरपूर होगा, उसके चेहरे पर हमेशा शक की लकीरें दिखाई देंगी, 25-30 वर्ष की उम्र में ही उसके चेहरे पर झुर्रियाँ नज़र आने लगेंगी और वो 60-70 वर्ष का बूढ़ा नज़र आएगा।

आज के दौर में हर एक के जीवन में समस्या आना ये आम बात हो गई है। जिस व्यक्ति की सोच सकारात्मक होगी,वह पहाड़ जैसी समस्या को भी राई समझेगा, अगर उसकी सोच नकारात्मक होगी तो राई जैसी समस्या को भी पहाड़ बना देगा! सकारात्मक सोच रखनेवाला व्यक्ति समस्या से प्रभावित न होकर उससे बाहर निकलने की राह निकालने का रास्ता ढूंढ़लेता है। इसके विपरीत नकारात्मक सोच रखनेवाला व्यक्ति हमेशा नसीब को कोसता रहता है और समस्या केलिए केवल अन्य व्यक्ति पर दोषारोपण करते रहता है। इस कारण वो व्यक्ति समस्या से बाहर आने के बजाय और ही उसमें फँसता जाता है।

आपने अक्सर देखा होगा कि कोई भी आध्यात्म का अध्ययन करने वाला योगी, तपस्वी या कोई नौंधा भक्ति करने वाले व्यक्ति का आभामंडल शांति की अनुभूति कराने वाला होता है। उनके बोल हमेशा सकारात्मक और आशादायी होते हैं। ऐसे तपस्वी व्यक्ति से 5 मिनट भी बात करें तो मन हल्का हो जाता है। कभी-कभी उनके बोल वरदान साबित हो जाते हैं। ये सब उनके सकारात्मक आभामंडल का प्रभाव है।

मानव जीवन में सोच-विचार का बहुत महत्व होता है। सुख और दुःख हमेशा अपने सोच-विचार पर निर्भर होते हैं। निरंतर सकारात्मक चिंतन करने से हमारा आभामंडल पॉजिटिव बन जाता है। जो भी हमारे संबंध-संपर्क में आते हैं, उनको हमारी पॉजिटिव एनर्जी महसूस होती है। सकारात्मक चिंतन करनेवाले व्यक्ति किसी का दिल नहीं दुखाते हैं। अगर कोई दुःखी व्यक्ति उनके संपर्क में आए तो उसके दुःख हल्के ज़रूर होते हैं। ऐसे व्यक्ति हमेशा खुश और संतुष्ट रहते हैं और दूसरों को भी खुश रखने का प्रयास करते हैं। इसके विपरीत नकारात्मक चिंतन करने वाले व्यक्ति के आसपास हमेशा नकारात्मक एनर्जी फैली हुई रहती है। उनका आभामंडल हमेशा नकारात्मकता से भरा हुआ होता है, ना तो वो खुद खुश रह सकते, ना दूसरों को खुशी दे सकते। ऐसे व्यक्ति के चेहरे पर हमेशा गुस्सा और टेंशन ही नज़र आता है। उनका चेहरा हमेशा उदास रहता है। खुशी उनसे कोसों दूर भागती है।

सुख और दुःख अपने सोच-विचार पर कैसे निर्भर होता है? हम एक छोटे उदाहरण से जानेंगे- विशाल की मां ने उसे दुकान से शक्कर लाने के लिए कहा। विशाल शक्कर लाने के लिए मोटरसाइकिल की चाबी लेता है और उसे मोटरसाइकिल के पास जाकर पता चलता है कि मोटरसाइकिल का टायर पंचर है। अब इस हालात को 'सकारात्मक चिंतन करने वाला विशाल' और 'नकारात्मक चिंतन करने वाला विशाल' कैसे स्वीकार करेगा? आइये देखते हैं।अगर विशाल सकारात्मक चिंतन करे तो वो कहेगा-'कोई बात नहीं! दुकान ज्यादा दूर नहीं है, पैदल जाकर शक्कर ले आता हूँ। इस बहाने टहलना भी हो जाएगा' और अगर विशाल नकारात्मक चिंतन करेगा तो कहेगा- 'इस टायर को भी अभी पंचर होना था! मेरा नसीब ही खराब है, अब पैदल ही जाना पड़ेगा और मुरझा हुआ चेहरा लेकर शक्कर लेने जाएगा।' घटना एक ही है, परंतु अपने चिंतन का परिणाम अपनी मानसिकता पर अच्छा व बुरा पड़ता है,जिस कारण हमें सुख अथवा दुःख की महसूसता होता है।

सकारात्मक चिंतन करने वाला व्यक्ति सदा ही अपने संबंध-संपर्क में

आने वाले व्यक्तियों को खुश रखता है। वो अपना दु:ख ज्यादा किसी को बताता नहीं क्योंकि दु:ख उनके लिए राई समान होता है। इसके विपरीत नकारात्मक चिंतन वाला व्यक्ति हमेशा अपनी छोटी-छोटी परेशानियों अथवा दु:खों का सबको वर्णन करते रहता है, उसका ही चिंतन करता रहता है। इस कारण छोटी परेशानी को भी पहाड़ जैसा बड़ा बना देता है।

हम भोलेपन में अपनी परेशानी किसीको बता तो देते हैं परन्तुसामने वाला व्यक्ति वो बात अपने अंदर समा नहीं पाता है तो वो आपके दु:ख-परेशानी की मिठाई बनाके सबको आगे बाँटता जाता है। इससे आपके आसपास दु:ख की लहर आना शुरू होती है और आप परेशानी से बाहर आने के बजाय और ही उसमें फँसते जाते हैं इसलिए अपनी परेशानी हमेशा सकारात्मक चिंतन करने वाले व्यक्ति को ही बतानी चाहिए।

अगर कोई ऐसा व्यक्ति आपके आसपास ना हो तो भगवान को बताएं क्योंकि आजकल दुनिया में सकारात्मक चिंतन करने वाले व्यक्ति बहुत ही कम मिलते हैं। ऐसा करने से आपका मन हल्का हो जाएगा। मन हल्का होने पर शायद आपको कोई रास्ता मिल जाए। परन्तु इन सबसे अच्छा तो यही है कि आप खुद ही सकारात्मक चिंतन करना शुरू करें। इससे आपकी परेशानी आपको राई समान लगने लगेगी। सकारात्मक चिंतन करने के लिए जीवन में सत्य ज्ञान और शक्तियों की आवश्यकता होती है, जो निरंतर राजयोग के अभ्यास द्वारा ही प्राप्त हो सकती है। ये एक ही दिन में नहीं होता, इसके लिए निरंतर ज्ञान अध्ययन और राजयोग के अभ्यास की आवश्यकता होती है। इससे आपके जीवन में खुशहाली आती जाएगी। फिर आपका दिल गाएगा-

खुशी के रंगों से रंगा जीवन मेरा। रंगीन जहां रंगीन नज़ारा।।

डॉ .ब्र.कु .मृत्युंजय 'समाज गौरव पुरस्कार' से सम्मानित

"महाराष्ट्र के सांस्कृतिक एवं पर्यावरण मंत्री सुधीर भाऊ मुनगंटीवार ने प्रदान किया यह पुरस्कार"

चंद्रपुर (महाराष्ट्र)। चंदा क्लब ग्राउण्ड में आयोजित **'श्रीमद् भागवत् गीता एक जीवन संदेश'** विषयक कार्यक्रम के दौरान ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय एवं डॉ. राजऋषि बसवराज को सांस्कृतिक एवं पर्यावरण राज्य मंत्री सुधीर भाऊ मुनगंटीवार द्वारा **'समाज गौरव पुरस्कार'** प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सुप्रसिद्ध गायिका साधना सरगम, नितिन भाई, जयगोपाल लुथरा, शशी मेकल आदि कलाकारों द्वारा भव्य सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के कला संस्कृति प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. दयाल; उपाध्यक्षा ब्र.कु. निहा; मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. सतीश; ब्र.कु. ओंकार, माउण्ट आबू; दिल्ली से ब्र.कु. अल्पा एवं ब्र.कु. रचना, कोलकाता से इलेक्ट्रॉनिक गिटार वादक शोभन कुमार घोष, मुम्बई से अभिनेत्री मोनिका पटेल, एलफिंस्टन मुम्बई से ब्र.कु. शीतल, दावणगेरे से ब्र.कु. लीला, बेंगलुरु से ब्र.कु. विश्वना, शारदा, दुबई से मिडल ईस्ट कोऑर्डिनेटर डॉ. गायकवाड़, उल्हासनगर से शाम नोतानी, अमरावती से ब्र.कु.सीता व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

शिक्षा प्रभाग की राजयोगा ट्रेनिंग एवं भट्टी सम्पन्न

मनमोहिनीवन (आबू रोड)। मीठे बाबा के मीठे मधुबन में मनमोहिनीवन के ग्लोबल ऑडिटोरियम में दिनांक 13 से 17 जून, 2023 तक ब्रह्माकुमार भाई-बहनों के लिए शिक्षा प्रभाग की ओर से राजयोगा ट्रेनिंग के साथ योग-भट्टी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ब्र.कु. मृत्युंजय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

ब्र.कु. ई.वी. गिरीश ने सभी को प्रेरणा देते हुए कहा कि आज के समय में बाबा का ज्ञान सभी को बहुत ही वैज्ञानिक तरीके से देना चाहिए। ज्ञान बहुत सहज है। राजयोग के माध्यम से हमें शिक्षा के क्षेत्र में भी सेवा करनी है। उन्होंने उदाहरण देकर सभी को विस्तार से समझाया। ब्र.कु. चित्रा ने Thought Lab के बारे मे सभी को अवगत कराया।

ब्र.कु. मृत्युंजय ने आपने जीवन के अनुभव को सुनाते हुए शिक्षा प्रभाग की सेवाओं से सभी को परिचित कराया। आपने कहा कि शिक्षा से ही व्यक्ति की उन्नति होती है। अच्छी शिक्षा व्यक्ति को अच्छा बनाती है। बच्चों के कार्यक्रम से निकले भाई-बहन आज बहुत ही अच्छी समाज सेवा कर रहे हैं। आप भी यह ट्रेनिंग लेकर सभी को अच्छी शिक्षा दे सकते हैं, जो सतयुग तक ले जाएगी।

ब्र.कु. ममता ने ब्रह्माकुमारी संस्था की शिक्षा को सर्वश्रेष्ठ बताते हुए सभी का धन्यवाद किया। मधुर वाणी ग्रुप ने गीत गाकर सभी का स्वागत किया।

इस ट्रेनिंग में विभिन्न विषयों जैसे की माइंड मैनेजमेंट, डिजिटल डेटोक्स, संस्कार परिवर्तन, राजयोग की विधि, कर्म सिद्धांत, हैप्पी लाइफ आदि पर ब्र.कु. ई.वी. गिरीश, ब्र.कु. सुप्रिया, ब्र.कु. चित्रा, ब्र.कु. मुकेश और ब्र.कु. दिव्या ने सत्रि लए। ब्र.कु. दिव्या ने रोलप्ले, आइस ब्रेकर्स, केस स्टडी इत्यादि के आधार से भाई बहनों को सेशन लेने की नयी विधि सिखाई और साथ ही ब्र.कु. दत्ता भाई, पुणे ने क्रिएटिव मेडिटेशन भी सिखाया। इस कार्यक्रम में पूरे भारतवर्ष से 200 से अधिक भाई-बहन उपस्थित थे।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

ब्रह्माकुमारीज़ विश्व शांति सरोवर द्वारा तीन दिवसीय बाल शिविर 'प्रेरणा' में श्रीकृष्ण नायक, जिला शिक्षा अधिकारी; श्रीमती दीप्तिमयी सुभादर्शिनी अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी; ब्र.कु. सुलोचना; ब्र.कु. अरुण; ब्र.कु. प्रतिवा तथा अन्य अतिथि शामिल हुए।

ब्रह्माकुमारीज़, वैर की ओर से आयोजित समर कैंप में भुसावर सेवाकेंद्र प्रभारी ब्र.कु. गीता, ब्र.कु. संस्कृति, कु. मानवी, कु. परी, कु. दिव्या, कु. आशी, कु. एंजल, कु. आर्यन, कु. पुनीत सहित अन्य कई बच्चे उपस्थित रहे।

Motivational, Edutainment Special Summer Camp for the Positive Personal Development for Children was organised by Brahma Kumaris, Kolkata Museum.

रामानुजन कोचिंग इंस्टिट्यूट के छात्र-छात्राओं के लिए मन की एकाग्रता विषय पर संबोधन के पश्चात् इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर अरविंद काग, ब्र.कु. नारायण (इंदौर), ब्र.कु. ममता तथा अन्य।

Personality Development Camp was inaugurated by Smt. Geeta S., Principal, DIET; Sri Darukesh, BEO, Davangere South; Smt. Savitha AC, CRP; Sri Arun Kumar, Professor, Davangere; B.K. Leela, Centre Incharge.

ब्रह्माकुमारीज़, निवास द्वारा आयोजित बच्चों के समर कैम्प में टीआई सुरेश सोलंकी; नॉन मेडिकल असिस्टेंट चन्द्रभान साहू, सेवाकेंद्र प्रभारी ब्र.कु. लक्ष्मी सहित कई बच्चे शामिल हुए।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्व शान्ति भवन, चौबे कॉलोनी में नि:शुल्क समर कैम्प का शुभारम्भ स्वामी विवेकानन्द तकनीकी वि.वि. के कुलपति डॉ. एम.के. वर्मा; सूचना आयुक्त अशोक अग्रवाल; ब्र.कु. सविता और ब्र.कु. स्मृति द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया।

"हम में है हीरो" संस्कार समर कैंप में डॉ. आशीष अग्रवाल शिशु रोग विशेषज्ञ; श्री विशाल ठाकुर, महासचिव प्रिंट मीडिया; श्री देवेंद्र मिश्रा, जिलाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया; श्रुति बहन, डायरेक्टर, मिलेनियम स्कूल तथा ब्र.कु. सरिता दीदी, संचालिका, जिला धमतरी उपस्थित थे।

ब्रह्माकुमारीज़ बालोतरा द्वारा समरकैंप 'उड़ान' में 22 स्कूल के 115 से भी अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। श्रीमती सुमित्रा जैन, अध्यक्षा, नगर परिषद; ब्र.कु. उमा; श्री किशन सिंह; श्री कालूराम कुम्हार, ब्र.कु. अस्मिता आदि उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज़ ग्वालियर द्वारा तीन दिवसीय पर्सनैलिटी डेवलपमेंट समर कैंप का आयोजन किया गया जिसमें ब्र.कु. आदर्श, राजेंद्र सिंह, दिव्या पंजवानी, दीपा अगीचा, ब्र.कु. प्रह्लाद तथा अन्य उपस्थित रहें। इस कार्यक्रम में 60 से भी अधिक स्कूली बच्चों ने भाग लिया।

The Universal Peace Retreat Centre (UPRC), Nekkallu, Amaravathi, Vijayawada A.P., hosted the "Happy Children Fest", a one-day retreat for kids aged 10 to 15. About 370 students from 15 different schools participated in this fest.

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिये आयोजित 'उमंग' समर कैम्प का अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी अम्बिकापुर श्री संजय गुहे, सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या, शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री शैलेष सिंगदेव, के. आर. टेक्निकल कॉलेज की डायरेक्टर रीनू जैन तथा अन्य।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

ब्रह्माकुमारीज़, बिलासपुर द्वारा आयोजित 11 दिवसीय बाल संस्कार शिविर 'उड़ान' में श्री शरद बलहाल, श्री भूषण वर्मा, ब्र.कु. पूर्णिमा, श्रीमती ऊषा साहू, ब्र.कु. डॉ राकेश, संदीप बलहाल एवं प्रशिक्षक तथा 60 से अधिक बच्चों ने भाग लिया।

NIT में आयोजित Motivational Talk में ब्र.कु. सरोज दीदी (इंचार्ज, ब्रह्मकुमारीज़ कुरुक्षेत्र), ब्र.कु. मुकेश (जयपुर), प्रो. दीक्षित गर्ग (Dean, Student Welfare, NIT Kurukshetra), प्रो. सुचिस्मिता , ब्र.कु. चित्रा (जयपुर) तथा अन्य उपस्थित रहें।

समर कैम्प कार्यक्रम में बच्चों को मूल्यनिष्ठ जीवन-शैली अपनाने के लिए प्रेरक मार्गदर्शन देते हुए ब्र.कु. सोम दीदी। साथ में हैं ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. अमिता, ब्र.कु. विकास, बी.के. सतीश तथा अन्य।

आध्यात्म और मूल्य शिक्षा पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सुमन पधारीं। इस अवसर पर ब्र.कु. नरेश, श्री राजेंद्र जाखड़ चौटाला, श्री गुरमीत सिंह, ब्र.कु. विद्या, ब्र.कु. शांति उपस्थित थे।

1. **मनमोहिनीवन (आबू रोड)।** ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शिक्षा प्रभाग तथा मणिपुर इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पीएचडी प्रोग्राम में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीश राजेंद्र कुमार शर्मा, मणिपुर इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. डॉ. हरिकुमार, डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि, डॉ. ब्र.कु. स्वामीनाथन तथा अन्य ग्रुप फोटो में।

2. **शांतिवन (आबू रोड)।** राजयोगी किड्स समर कॉर्निवल के समापन कार्यक्रम में मिमिक्री एवं वाईस आर्टिस्ट श्री संजय केनी जी को परमात्म स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय। साथ में है ब्र.कु. शिविका, ब्र.कु. नेहा, ब्र.कु. योगिनी, ब्र.कु. शेफाली तथा अन्य।

Education Wing HQs. Office:

Dr. B.K. Mruthyunjaya
Chairman, Education Wing, RERF
Brahma Kumaris, Education Wing Office
3rd Floor, Anand Bhawan, Shantivan
Abu Road - 307 510 (Raj.)
Mobile Nos.: +91 94140-03961 / +91 94263-44040
E-mail: educationwing@bkivv.org
Website: educationwing.com

To,